

# नीतिन गडकरी की तिलस्मी सफलता बताती है काम कैसे किए जाते हैं



मोदी सरकार में एक वरिष्ठ मंत्री नीतिन गडकरी को पार्टी लाइनों और आम जनता के बीच उनके व्यापक काम के लिए सराहा जाता है। “एक आदमी को उसके द्वारा रखी गई कंपनी, दोस्तों से आंका जाता है।” राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के साथ नीतिन गडकरी का लंबा जुड़ाव प्रतिबद्धता, समर्पण, अनुशासन, नेतृत्व, नवाचार और रचनात्मकता जैसे गुणों के साथ-साथ राष्ट्र-प्रथम दृष्टिकोण के साथ विकसित हुआ।

सड़कों और जलमार्गों द्वारा परिवहन क्षेत्र का परिवर्तन आश्चर्यजनक है। उनके काम का सबसे अच्छा पहलू यह है कि वे दुनिया भर में उपयोग की जाने वाली विभिन्न नवीन अवधारणाओं का अध्ययन करने और देश भर में सर्वोत्तम लागू तकनीक के साथ इसे लागू करने का प्रयास करने में विश्वास करते हैं। परियोजना की पूर्णता की गति में जबरदस्त वृद्धि निस्संदेह उनकी व्यक्तिगत भागीदारी और परियोजनाओं के गहन अध्ययन के साथ-साथ परियोजनाओं से जुड़े मुद्दों को हल करने और नौकरशाही को कुशलता से काम करने के उनके प्रयासों के कारण है, जो कई मामलों में एक मुश्किल काम है। यही कारण है कि अपने व्यापक ज्ञान, तथ्यों और आंकड़ों के कारण वह किसी भी टेलीविजन बहस में अपराजेय हैं। वह स्पष्टता और कृती के साथ तैयार है, हर एक छोटी और लंबी अवधि के दृष्टिकोण कार्य और आनेवाली हर एक समस्या के समाधान के साथ। वह मीडिया या विपक्ष की परवाह किए बिना जो सही है उसे करने में विश्वास रखते हैं।

उनका अभिनव दृष्टिकोण और शोध-उन्मुख दिमाग उन्हें एक विशिष्ट व्यक्ति के रूप में अलग करता है। नीतिन गडकरी के मजबूत बिंदुओं में से एक प्रोजेक्ट की गुणवत्ता का त्याग किए बिना उनका लागत-कटौती दृष्टिकोण है। हालांकि, कार्यान्वयन में चुनौतियां हैं, जैसे नौकरशाही और टेका फर्मों में भ्रष्टाचार, जिससे उन्हें दृढ़ता से निपटना होगा।

किसी भी देश का औद्योगिक विकास और इस प्रकार आर्थिक विकास तभी संभव है जब उसका परिवहन क्षेत्र जरूरतों और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुसार अच्छी तरह से विकसित हो, और वह इस दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए और कार्य में आगे बढ़ रहा हो।

आइए उनके मंत्रालय की कुछ उपलब्धियों पर एक नजर डालते हैं।

- मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे के निर्माण में तेजी लाने में महाराष्ट्र के लोक निर्माण मंत्री के रूप में गडकरी की भूमिका महत्वपूर्ण थी। महाराष्ट्र सरकार ने 1990 में नए एक्सप्रेसवे के लिए व्यवहार्यता अध्ययन किया, जिसे टोल के आधार पर संचालित किया जाएगा, लेकिन जब तक गडकरी ने पीडब्ल्यूडी मंत्री के रूप में पदभार ग्रहण नहीं किया, तब तक इस परियोजना के निर्माण में तेजी नहीं आई थी।

- राज्य मंत्री के रूप में गडकरी की दूसरी बड़ी उपलब्धि मुंबई में 55 फ्लाईओवर का निर्माण था, जिसने उस समय शहर की यातायात समस्याओं को काफी कम कर दिया था।

- मई 2014 में, गडकरी को सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री के साथ-साथ जहाजरानी मंत्री भी नियुक्त किया गया था। 1 ट्रिलियन (13 बिलियन अमेरिकी डॉलर) की परियोजनाओं को समाप्त कर दिया गया और 350 बिलियन (4.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर) की अन्य परियोजनाओं को उन्हें विरासत में मिली रुकी हुई परियोजनाओं के बीच पुनः बोली लगाने के लिए रखा गया। उन्होंने अपने पहले वर्ष में देश की सड़क निर्माण दर को 2 किमी/दिन से बढ़ाकर 16.5 किमी/दिन, दूसरे वर्ष में 21 किमी/दिन, 2018 के अंत में 30 किमी/दिन और आज 37 किमी/दिन कर दिया। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान प्रदान की गई कुल परियोजनाओं का एक प्रतिशत, पेड़ों और सौंदर्यीकरण के लिए कुल 2 ट्रिलियन (US\$27 बिलियन) को अलग रखा।

- पिछले 7 वर्षों में, राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई 91,287 किमी (अप्रैल 2014 तक, 67 वर्ष में) से 50% बढ़कर 1,37,625 किमी (20 मार्च 2021 तक) हो गई है।

- कुल बजटीय परिव्यय वित्तीय वर्ष 2015 में 33,414 करोड़ रुपये से वित्तीय वर्ष 2022 में 1,83,101 करोड़ रुपये तक 5.5 गुना बढ़ा

- कोविड-19 से संबंधित प्रभाव के बावजूद वित्तीय वर्ष 2020 की तुलना में वित्तीय वर्ष 2021 में स्वीकृत राशि में 126% की वृद्धि हुई है। वित्तीय वर्ष 2020 की तुलना में वित्तीय वर्ष 2021 में स्वीकृत लंबाई में किलोमीटर में भी 9% की वृद्धि हुई है।

- FY2015 से FY2021 के दौरान औसत वार्षिक निर्माण (औसत वार्षिक निर्माण लंबाई) FY2010 से FY2014 की तुलना में 83% की वृद्धि हुई है

वित्तीय वर्ष 2020 (31 मार्च को) की तुलना में वित्तीय वर्ष 2021 के अंत में चल रहे परियोजना कार्यों की संचयी लागत में 54% की वृद्धि हुई है।

- तीन साल के रिकॉर्ड समय में दिल्ली के आसपास पूर्वी और पश्चिमी परिधीय राजमार्गों के निर्माण में नितिन गडकरी की दक्षता देखी जा सकती है। इस तथ्य के बावजूद कि सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के प्रदूषण से निपटने के लिए 2005 में इसके निर्माण का आदेश दिया था, 2014 तक कुछ भी नहीं हुआ। नितिन गडकरी के इस मंत्रालय को संभालने के बाद, फाइलें ज्यादा गति से आगे बढ़ी, और दोनों राजमार्ग अब पूरे हो गए हैं।

- मोदी सरकार द्वारा परिकल्पित चार धाम सड़क परियोजना भी शुरू हो चुकी है और युद्धस्तर पर काम चल रहा है।

- भारत माला योजना के तहत कुल 65,000 किलोमीटर से अधिक लंबाई के राष्ट्रीय राजमार्ग बनाए जा रहे हैं, जो पूरे देश में नए और मौजूदा राष्ट्रीय राजमार्गों के विशाल नेटवर्क को संदर्भित करता है। भारतमाला परियोजना, भारत में दूसरी सबसे बड़ी राजमार्ग निर्माण परियोजना है, जिसका उद्देश्य विशेष रूप से आर्थिक गलियारों, सीमावर्ती क्षेत्रों और दूर-दराज के क्षेत्रों में कनेक्टिविटी में सुधार करना है। लगभग 40,000 किलोमीटर नई सड़कों को अब तक राष्ट्रीय राजमार्ग के रूप में नामित किया गया है। इसके अलावा, सरकार ने पिछले चार वर्षों में चल रही 700 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं में से 40 प्रतिशत से अधिक को पूरा किया, जो सरकार की दक्षता का प्रदर्शन करती है, जो अक्सर लालफीताशाही संस्कृति से प्रभावित होती है। पूरे भारत में बढ़ती आर्थिक गतिविधियों के परिणामस्वरूप इस परियोजना से लगभग 22 मिलियन नौकरियां और 100 मिलियन मानव दिवस रोजगार सृजित होने की उम्मीद है।

- इस प्रशासन के कार्यकाल के दौरान, पूर्वोत्तर राज्यों ने बुनियादी ढांचे के विकास के लिए विशेष ध्यान दिया, और पिछले प्रशासन द्वारा शुरू की गई कई परियोजनाओं में तेजी आई, लेकिन पूरी नहीं हुई। असम में ब्रह्मपुत्र पर बोगीबील रेल-सड़क पुल, जो पिछले दो दशकों से निर्माणाधीन है, इनमें से सबसे अधिक दर्शनीय है। मोदी सरकार से पहले ब्रह्मपुत्र पर तीन पुल थे, और पिछले पांच वर्षों में, तीन और पुलों को पूरा करके यातायात के लिए खोल दिया गया है, जो इस सरकार ने जिस गति से काम किया है, उसे प्रदर्शित करता है।

- शिपिंग – भारतमाला के समान, शिपिंग मंत्रालय ने सागरमाला बंदरगाह और तटीय क्षेत्र विकास परियोजनाओं को लॉन्च किया है, सागरमाला कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, 2015-2035 के दौरान कार्यान्वयन के लिए 574 से अधिक परियोजनाओं (लागत : 6.01 लाख करोड़ रुपये) की पहचान की गई है। , बंदरगाह आधुनिकीकरण और नए बंदरगाह विकास, बंदरगाह संपर्क वृद्धि, बंदरगाह से जुड़े औद्योगिकीकरण और तटीय सामुदायिक विकास के क्षेत्रों में। 30-सितंबर-2019 तक, कुल 121 परियोजनाएं (लागत : 30,228 करोड़ रुपये) पूरी हो चुकी हैं और 201 परियोजनाएं (लागत : 309, 048 करोड़ रुपये) कार्यान्वयन के अधीन हैं। कुल लागत में शामिल हैं;

- बंदरगाह आधुनिकीकरण – 245 परियोजनाएं (21 अरब अमेरिकी डॉलर);
- कनेक्टिविटी वृद्धि – 210 परियोजनाएं (36 अरब अमेरिकी डॉलर);
- बंदरगाह से जुड़े औद्योगिकीकरण – 57 परियोजनाएं (68 अरब अमेरिकी डॉलर); तथा,
- तटीय सामुदायिक विकास – 65 परियोजनाएं (1 बिलियन अमेरिकी डॉलर)।

क्योंकि हम में से अधिकांश का महासागरों से कोई संबंध नहीं है, हम इन परियोजनाओं के परिमाण को नहीं समझेंगे, लेकिन रसद क्षेत्र में, विशेष रूप से समुद्री परिवहन में शामिल लोगों को समझ में आएगा।

- अंतर्देशीय जलमार्ग – सरकार ने परिवहन के साथ-साथ यात्रियों की आवाजाही के लिए देश के व्यापक नदी नेटवर्क का उपयोग करने और तदनुसार जलमार्ग विकसित करने का निर्णय लिया है। भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (IWAI), जो 1986 से अस्तित्व में था, मोदी प्रशासन के दौरान अंतर्देशीय जलमार्ग विकास पर वास्तविक कार्य के साथ अस्तित्व में आया। पहला कंटेनर जहाज हल्दिया, पश्चिम बंगाल से वाराणसी, उत्तर प्रदेश के लिए रवाना हुआ। भारत में इस पर कभी विचार नहीं किया गया।

• कूज – इस तथ्य के बावजूद कि 2008 में कूज शिपिंग नीति की घोषणा की गई थी, कूज पर्यटन के विकास में कोई प्रगति नहीं हुई है। एनडीए सरकार ने कार्रवाई की और पांच प्रमुख बंदरगाहों: मुंबई, मोरमुगाओ (गोवा), मैंगलोर, कोचीन और चेन्नई में विशेष कूज टर्मिनल बनाए। सरकार के प्रयासों के परिणामस्वरूप, भारत की अब मुंबई और गोवा के बीच अपनी पहली घरेलू कूज सेवा है।

• वैकल्पिक ईंधन को बढ़ावा – यह कोई रहस्य नहीं है कि नितिन गडकरी वैकल्पिक ईंधन के प्रशंसक हैं। सड़कों और ऑटोमोबाइल के बारे में उनका ज्ञान उद्योग में शामिल अधिकारियों के लिए शर्मसार कर देगा। वह अक्सर 'बेस्ट फ्रॉम वेस्ट' का जिक्र करते हैं। भारत के बड़े पैमाने पर कच्चे तेल के आयात बिल को कम करने में मदद करने के लिए, वह इथेनॉल, मेथनॉल और अन्य जैसे वैकल्पिक ईंधन के लिए पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए काम कर रहे हैं, जो घरेलू रूप से उपलब्ध संसाधनों से बनाया जा सकता है और इससे किसानों की आय बढ़ाने में भी मदद मिलेगी।

सूची व्यापक है। कोरोना के सबसे बुरे दौर के बाद भी परिवहन क्षेत्र में भारी बदलाव अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्रों को सकारात्मक संकेत दे रहा है। आने वाले वर्षों में और अधिक सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे क्योंकि परियोजनाएं पूरी तरह से चालू हो जाएंगी।

संपर्क

पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

7875212161